Tender Heart High School, Sec-33-B, CHD.

कक्षा-आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-15 चचा छक्कन ने केले खरीदे)
शेष भाग-- लेखक- इम्तियाज़ अली
पुस्तक- नवतरंग-8
शेष भाग--

सुप्रभात बच्चो!

आज हम पृष्ठ-123 पर लिखे पाठ-15 के शेष भाग को पढ़ेंगे। यह एक हास्य रचना है।

बच्चो! पाठ को आगे पढ़ने से पहले हम यह जान लेते हैं कि पीछे हमने पाठ में क्या पढ़ा था? अभी तक हमने पढ़ा है कि चचा और बिंदो घर में अकेले हैं। चचा को एकांत पसंद हैं। अकेले में वे उन कामों की ओर ध्यान देते हैं जिन्हें ध्यान देने का अवसर बहुत समय से न मिला हो इसलिए वे बिंदो को बाज़ार भेजकर इमली मँगवा-कर पीतल के बर्तनों की सफ़ाई करने में लग जाते हैं। बीच में कलकतिया केले बेचने वाला आवाज़ लगाता है तो चचा बिंदो को भेजकर तीन आने के दर्जन केले मँगवा लेते हैं। सबके हिस्से दो-दो केलों का हिसाब लगाकर चचा बिंदो से कहकर उन केलों को हिफ़ाज़त से डलिया में रखवा देते हैं। थोड़ी देर में ही वे अपने हिस्से के दोनों केलों को खा जाते हैं। उसके बाद वे इमली के फायदे के बारे में बताते हुए चचा ने बिंदो से कहा कि मेरे बिना किसी का भी मन खाने को नहीं करेगा और बच्चे तो बिल्कुल लालची और स्वार्थी नहीं हैं। अब दस केलों को छह लोगों के बीच बाँटना कठिन होगा। अतः सबको एक-एक केला दिया जाए तो ठीक हो जाएगा। यह कहकर कि छह सदस्यों के लिए छह केले छोड़ना ज़रूरी है इसलिए बचे अतिरिक्त केले चचा ने बिंदो से कहकर मँगवा लिए।

बच्चो! अब हम पाठ को आगे बढ़ाते हुए पढ़ते हैं।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

16.12.24

DATE
PAGE No. 2

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-15 "चचा छक्कन ने केले खरीदे")

चचा के कहने पर बिंदो अंदर से चार केले ले आया। चारों केलों को चचा ने तसल्ली से बारी-बारी से खाना शुरू कर दिया। केलों को खाते-खाते चचा ने इमली के बहुत फ़ायदे बताए। उन्होंने बताया इस ज़माने में देश की चीज़ों की ओर कोई ध्यान नहीं देता। यही इमली यदि विदेश से आती तो सब लोग इस पर टूट पड़ते। इमली गुणकारी होने के साथ-साथ स्वादिष्ट भी होती है। इमली का शरबत तो गर्मियों में अमृत के समान है। पित्त एवं उल्टी की शिकायत के लिए तो यह बहुत ही फ़ायदेमंद है।

चचा बिंदो को कहते हैं कि अब सबके हिस्से एक-एक केला आ जाएगा। जिसका जब जी चाहे खाए। चचा बिंदो को छुट्टन की अम्मॉ के बारे में बताते हैं कि उसका जब जी चाहता है, तभी वह खाती है। वरना वह चीज़ को हाथ नहीं लगाती। मेरा भी हाल कुछ ऐसा ही है। कितनी बार ये केले दुकानों में देखे पर आज जी चाहा तो खाने बैठ गया। क्या जाने शाम तक इच्छा करे या न करे! इसलिए मैं अपने हिस्से का एक केला अभी खा लेता हूँ। जिसका मन करेगा या जैसे जिसकी इच्छा होगी वे खाएँगे। इस प्रकार चचा ने बिंदो से अपने हिस्से का केला लाने को कहा।

चचा के हुक्म के मुताबिक बिंदो ने केला लाकर चचा को दिया। चाचा केला छीलकर खाने लगे। केला खाने के बाद फिर बरतन की बात पर आए और कहने लगे कि इन बर्तनों को देखकर कोई नहीं कह सकता कि ये पुराने बरतन हैं। चचा ने बिंदो को समझाते हुए कहा कि छुट्टन की अम्मॉ यदि पूछेंगी तो तू यही कहना कि साहब सारी दोपहर इन बर्तनों को साफ़ करते रहे। लेकिन इमली का ज़िक्र मत करना क्योंकि इससे काम की अहमियत नहीं रहती। कह देना कि साहब ने एक नुस्खा बनाकर साफ़ किए हैं। पता नहीं ये बच्चे कब तक आएँगे!

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

16.12.24

DATE
PAGE No. 3

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-15 'चचा छक्कन ने केले खरीदे')

लल्लू के तो खाने-पीने का इंतज़ाम टीम वालों ने कर ही दिया होगा। दद्दू और बुट्टन तो टिकट के पैसों के साथ खाने-पीने के लिए भी पैसे लेकर गए हैं। सभी कुछ न कुछ खा रहे होंगे। बिन्नो तो माँ के साथ ही है। आज केले बेमौके ले लिए। आज तो सब बढ़िया माल उड़ा रहे होंगे। यदि ये केले रात भर यूँ ही पड़े रहे तो सड़ जाएँगे या काले पड़ जाएँगे। अब फेंके तो नहीं जा सकते इसलिए मैं ही खत्म कर देता हूँ। इस प्रकार चचा ने बारी-बारी सभी केले खा लिए।

बच्चो! आज हमारा यह पाठ यहाँ समाप्त हुआ। आशा है आप सबने यह पाठ रुचि लेकर पढ़ा होगा। अब मैं आपको गृहकार्य दे रही हूँ।

गृहकार्य:- सब बच्चे इस पाठ को उच्च स्वर में २-३ बार पढ़ेंगे एवं पृष्ठ-125 पर दिए शब्दार्थ को अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे। साथ ही पाठ बोध के प्रश्नोत्तर लिखने का प्रयास करेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ - 3)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner